Queensland Government
Queensland **Health**

Patient Information Sheet (Hindi) - रोगी सूचना पत्र
CT- Computed Tomography

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

1. CT क्या है?

कम्प्युटेड टोमोग्राफी CT या 'CAT' स्कैन्स वो विशेष एक्स- रे स्कैन्स होते हैं जिनमें एक्स- रे एवम् कम्प्युटर की सहायता से शरीर के आंतरिक हिस्सों की, अलग- अलग भागों में (cross-sectional) तस्वीरें बनायी जाती हैं।

CT तभी काम में लिया जाता है जब आपके डॉक्टर को, एक साधारण एक्स- रे से मिल सकने वाली जानकारी से अधिक जानकारी चाहिये होती है।

CT मशीन एक बड़े डोनट की तरह दिखती है जिसके बीच में एक सकड़ी टेबल होती है। यह टेबल मशीन (स्कैनर) के बीच वाले घुमावदार छेद के अंदर आ जा सकती है।

2. क्या उसमें किसी प्रकार की तकलीफ होगी, किसी एनस्थैटिक (संवेदना हीन करने) की आवश्यकता होती है?

CT स्कैन एक दर्द रहित प्रक्रिया है, इसके लिये एनस्थैटिक की जरुरत नहीं होती।

CT मशीन दोनों तरफ से खुली होती है ताकि जिन रोगियों घुटन का भय होता है उन्हें टैस्ट के दौरान कम दिक्कत हो।

3. प्रक्रिया के लिये तैयारी

मैडिकल इमेजिंग विभाग द्वारा आपको बताया जायेगा कि आप अपने प्रोसिजर के लिये कैसे तैयारी करें।

- यदि आपको संदेह है या आप जानती हैं कि आप गर्भवती हैं तो कृपया कर्मचारियों को बतायें।

4. प्रक्रिया के दौरान

एक रेडियोग्राफर द्वारा आपको टेबल पर उपयुक्त तरीके से लिटाया जायेगा। स्कैन के समय वह रेडियोग्राफर आपके साथ कमरे में नहीं रहेगा लेकिन वह आपको देख सकेगा और इंटरकॉम द्वारा आपसे बात कर सकेगा।

स्कैन के दौरान, आप घूमती हुई या भिभिनाहट की सी ध्वनि सुनेंगे और आपको महसूस होगा कि टेबल धीरे धीरे CT स्कैनर के अंदर आ जा रही है। आपको जितना संभव हो उतना स्थिर रहना चाहिये, क्योंकि थोड़ा सा हिलने पर भी तस्वीरें धुंधली हो सकती हैं।

कुछ स्कैन्स के दौरान आपसे 20 सैकंड्स तक के समय के लिये साँस रोकने के लिये कहा जायेगा।

प्रक्रिया पूरी होने में लगभग 10 से 20 मिनट तक का समय लगता है, यह अवधि इस बात पर निर्भर करती है कि आपके शरीर के कौनसे हिस्से का स्कैन किया जा रहा है।

5. कॉन्ट्रास्ट

आपके CT स्कैन के हिस्से के रुप में कभी कभी आपको कॉन्ट्रास्ट (एक तरह का पदार्थ) दिया जायेगा। कॉन्ट्रास्ट के कारण, एक्स-रे में आपके अवयव और अधिक स्पष्ट रुप से दिख सकते हैं। कॉन्ट्रास्ट को एक पेय पदार्थ (मुख से लिया जाने वाला या ओरल कॉन्ट्रास्ट) एवम्/अथवा इंजैक्शन (सुई की सहायता से शरीर के भीतर भेजा जाने वाला या आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट) के रुप में दिया जा सकता है।

ओरल कॉन्ट्रास्ट को पेट व आंतों को स्पष्ट रुप से दिखाने के लिये काम में लिया जाता है।

आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट को आपके शरीर के अवयवों व रक्त वाहिनियों को स्पष्ट रुप से दिखाने के लिये काम में लिया जाता है। एक बारीक सुई (IV cannula) को आपकी बाहँ की एक नस में लगाया जायेगा, ताकि कॉन्ट्रास्ट को भीतर पहुँचाया जा सके। आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट व इसके उपयोग से जुड़े खतरों के बारे में और अधिक जानकारी के लिये कृपया **आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट रोगी सूचना पत्र पढ़ें** *(यदि आपके* पास वह सूचना *पत्र नहीं है तो कृपया अपनी प्रति मांगें)*

6. प्रक्रिया के बाद

IV cannula को बाहर निकाल लिया जायेगा (यदि लगाया गया है तो)

7. इस विशेष प्रक्रिया के क्या क्या खतरे हैं?

इस प्रक्रिया से निम्नलिखित के अलावा भी खतरे व परेशानियां हो सकते हैं।

सामान्य खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- हल्का दर्द, IV cannula से चमड़ी छिल जाना (या नील पड़ जाना) एवम्/ अथवा इंफैक्शन हो जाना। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक्स से ईलाज की जरुरत पड़ सकती है।

09/2009 - V 1.0

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

सामान्यतया कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- सामान्यतया कम होने वाले खतरों के बारे में ज्ञात नहीं है।

बहुत ही कम होने वाले खतरे व परेशानियों में शामिल हैं:

- एक्स-रे किरणों के संपर्क में आने के कारण जीवन में कैंसर की अधिक संभावना।
- इस प्रक्रिया के कारण मृत्यु *बहुत ही* कम मामलों में होती है।

मेरे डॉक्टर/ हैल्थ प्रैक्टिशनर से जो बातें करनी हैं:

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

Queensland Government
Queensland Health

Patient Information Sheet (Hindi) - रोगी सूचना पत्र (Hindi)
Iodinated Contrast - आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट

1. आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट क्या है?

आपके डॉक्टर ने आपको जिस मेडिकल इमेजिंग प्रक्रिया (शरीर के आंतरिक हिस्सों की तस्वीरे लेकर जाँच) के लिये कहा है, उसमें आयोडिनेटेड 'कॉन्ट्रास्ट' (जिसे पूर्व में एक्स- रे डाई के नाम से जाना जाता था) काम में लिया जाता है। कॉन्ट्रास्ट एक रंगहीन पदार्थ होता है जिसमें आयोडिन भी शामिल है। कॉन्ट्रास्ट को आपके अंदर बहते खून में सूई द्वारा पहुँचाया जाता है ताकि एक्स- रे में आपके अवयव अधिक स्पष्ट रुप से दिख सकें। कॉन्ट्रास्ट कोई डाई (रंग) नहीं है। इससे आपके शरीर के अंदर धब्बे नहीं पड़ते। आपका डॉक्टर कॉन्ट्रास्ट काम में इसिलिये लेता है ताकि उसे वो सारी जानकारी मिल सके जो आपके रोग की पहचान में सहायक हो।

इस सूचना पत्र को उस प्रक्रिया के सूचना पत्र के साथ पढ़ना आवश्यक है, जिसके लिये आपको बुक किया गया है (*यदि आपके पास वह सूचना पत्र नहीं है तो कृपया अपनी प्रति मांगें)*

2. प्रक्रिया के दौरान

कॉन्ट्रास्ट को जब सूई द्वारा शरीर के भीतर पहुँचाया जाता है तो आपको लग सकता है किः

- शरीर में बहुत ही 'निवायापन' या आवेग से लाल हो जाने जैसा लगना, इससे आपको ऐसा भी लग सकता है कि आपने पेशाब कर दिया है। आपका पेशाब निकलेगा *नहीं*- केवल ऐसी अनुभूति होती है।
- किसी 'धातु' जैसा स्वाद या महक जैसा भी लग सकता है। साधारणतया ऐसा एक मिनट से भी कम समय तक लगता है।

3. प्रक्रिया के बाद

यह सलाह दी जाती है कि प्रक्रिया कराने के बाद आपको 2 से 4 गिलास पानी पीना चाहिये ताकि कॉन्ट्रास्ट को आपके शरीर से बाहर निकालने में सहायता मिले।

कॉन्ट्रास्ट आपकी साधारण कामों को करने की क्षमता पर असर नहीं डालता; आप अपना दिन सामान्य तरीके से बिता सकते हैं।

4. सावधानियां

कॉन्ट्रास्ट सभी लोगों को के लिये अनुकूल नहीं होता; इसे आपको देने से पहले आपसे कुछ प्रश्न पूछे जायेंगे। आपको इससे कोई खतरा हो सकता हो तो कर्मचारी को आपके उत्तरों से उनका पता चल जायेगा।

- यदि आपको संदेह है या आप जानती हैं कि आप गर्भवती हैं या आप बच्चे को अपना दूध पिलाती हैं तो कृपया कर्मचारी को बतायें।

<u>गुर्दों की कार्यशीलता</u>

- आपके गुर्दों द्वारा आपके शरीर से कॉन्ट्रास्ट को आपके पेशाब के द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है। जिन लोगों के गुर्दे सामान्य रुप से काम करते हैं उनके शरीर से इसे आसानी से बाहर निकाल दिया जाता है।
- कमजोर गुर्दों (गुर्दों से संबंधित दुर्बलता) वाले लोगों को कॉन्ट्रास्ट देने से गुर्दों को और अधिक हानि हो सकती है, जिससे गुर्दे अच्छी तरह काम करना बंद कर सकते हैं (एक्यूट रैनल फेल्योर या तीव्रता से गुर्दे संबंधी खराबी)।
- आपके गुर्दों के कार्य स्तर (स्थिति) का पता लगाने के लिये आपसे साधारण ब्लड टैस्ट कराने के लिये कहा जा सकता है।

<u>मधुमेह दवा अंतः क्रिया (इंटरैक्शन)- मेटफोरमिन</u>

(अन्य दवाओं के नाम: एवान्डमेट, डायबैक्सदायफोरमिन, फोरमेट, ग्लुकोहैक्साल, ग्लुकोमेट, ग्लुकोफेज,ग्लुकोवैन्स, मेटफोरबैल)

गुर्दों को यदि कॉन्ट्रास्ट से नुकसान हो जाता है तो हो सकता है कि गुर्दे शरीर से मेटफोरमिन नहीं निकाल पायें। जब कॉन्ट्रास्ट ले रहे हों तो थोड़े समय तक मेटफोरमिन लेना सुरक्षित है। कर्मचारी आपको बतायेंगे कि मेटफोरमिन को लेना कब बन्द करें और कब इसे लेना वापस चालू कर दें।

यदि आपसे मेटफोरमिन लेना बन्द करने के लिये कहा गया है तो अपने GP (डॉक्टर) से संपर्क करें ताकि वो आपके मधुमेह पर नजर रख सके।

5. आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट के क्या क्या खतरे हैं?

इस इंजैक्शन से निम्नलिखित के अलावा भी खतरे व परेशानियां हो सकते हैं।

सामान्य खतरों व परशानियों में शामिल हैं:

- सामान्य खतरों के बारे में ज्ञात नहीं है।

सामान्यतया कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- इंजैक्शन द्वारा दिया गया कॉन्ट्रास्ट खून की नस से बाहर, चमड़ी के नीचे और टिश्यु में लीक हो सकता है। ऐसा होने पर ईलाज की ज़रूरत पड़ सकती है। बहुत ही कम मामलों में, यदि चमड़ी फट जाती है तो, आगे ऑपरेशन की आवश्यकता हो सकती है।
- तीव्रता से गुर्दों में खराबी तब आती है जब आपके एक या दोनों गुर्दे अचानक काम करना बंद कर देते हैं। खराबी कुछ दिनों या सप्ताहों तक चल सकती है। गुर्दों को अपने पहले के कार्य स्तर पर वापस पहुँचने में लंबा समय लग सकता है और उस दौरान आपके खून को साफ करने के लिये आपको डॉयलिसिस की ज़रूरत पड़ सकती है। आपके गुर्दों के स्थाई रुप से क्षतिग्रस्त हो जाने का भी खतरा हो सकता है। इस खतरे को कम करने के

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

लिये जितनी हो सके उतनी कम मात्रा मे कॉन्ट्रास्ट दिया जायेगा।

- हो सकता है कि मैडिकल एवम् /अथवा तकनीकी कारणों से यह इंजैक्शन देना संभव ना हो।

बहुत ही कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- पहले एक घंटे के भीतर एलर्जिक रिएक्शन का होना, अधिकतर रिएक्शन पहले 5 मिनट में हो जाते हैं। पता लगा है कि देरी से होने वाले रिएक्शन्स इंजैक्शन लगने के एक सप्ताह बाद तक हुए हैं।

कृपया ध्यान दें: टोपीकल आयोडीन एवम् /अथवा सी फूड से एलर्जी का अर्थ यह नहीं है कि आयोडीनेटेड कॉन्ट्रास्ट से एलर्जी है।

एलर्जी विभिन्न प्रकार की हो सकती है:

हल्की -चमड़ी लाल होना या सूज जाना, पसीना, छींकें, खांसी, उबकाई।

मध्यम -बहुत सारी जगहों पर चमड़ी लाल होना या सूज जाना, सर दर्द, मुख पर सूजन, उल्टी आना, सांस में कमी।

गहन - गहन रिएक्शन बहुत ही कम होते हैं लेकिन उनमें शामिल हैं: ह्रदय में धुकधुकी जो जीवन के लिये खतरनाक हो, बहुत ही कम ब्लड प्रैशर, गले में सूजन, दौरा आना एवम्/ अथवा ह्रदय की धड़कन में यकायक ठहराव

- आयोडिनेटेड कॉन्ट्रास्ट के कारण मृत्यु बहुत ही कम मामलों में होती है।

6. अस्पताल से छुट्टी होने पर सुरक्षा संबंधी मुद्दे कौन - कौन से हैं?

यदि आपकी तबियत बिगड़ जाये तो अपने निकटतम A&E (एक्सीडैंट एंड ईमरजैंसी) विभाग या GP (डॉक्टर) के पास जायें।

Queensland Government

PATIENT INFORMATION SHEET ONLY

NO DOCUMENTED CONSENT REQUIRED

Unless patient is renal impaired

If a documented consent is required

Interpreter Services *must* be accessed